

## समाचार पत्र

भाकृअनुप-राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो  
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)  
आईएसओ 9001-2008 प्रमाणित संस्थान



जनवरी-मार्च 2015

www.nbpgr.ernet.in

ISSN 0971-2232

अंक 31 सं. 1  
तिमाही

### विषय सूची

|  |   |
|--|---|
| पीजीआर क्रियाकलाप                      | 2 |
| अन्वेषण एवं जननद्रव्य संग्रह           | 2 |
| जननद्रव्य का विनिमय                    | 2 |
| पादप संगरोध                            | 3 |
| जननद्रव्य का लक्षण वर्णन और मूल्यांकन  | 4 |
| जननद्रव्य फील्ड दिवस और मेलों का आयोजन | 5 |
| रबी तिलहन                              | 5 |
| गेहूं और जौ                            | 5 |
| पीजीआर छात्र                           | 6 |
| कोर्स घोषणा                            | 6 |
| किसानों के लाभ हेतु पीजीआर             | 7 |
| किस्म पंजीकरण                          | 7 |
| सामुदायिक बीज बैंक पर पुस्तिका         | 7 |
| जैव विविधता जागरूकता कार्यक्रम         | 7 |
| कार्मिक समाचार                         | 8 |

## भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के नए उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ. जे. एस. संधु का अभिनन्दन

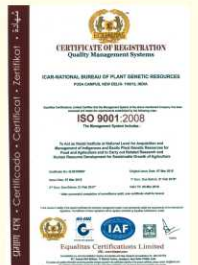
आईसीएआर-एनबीपीजीआर परिवार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान) के पद पर डॉ. जे. एस. संधु के कार्यभार ग्रहण करने पर उन्हें बधाई देता है तथा अभिनन्दन करता है। इस पद पर कार्य करने से पूर्व डॉ. संधु, कृषि मंत्रालय के कृषि एवं सहकारिता विभाग, (डीएसी), में 2013 से कृषि आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। उससे पूर्व 2010 से 2013 के दौरान भाकृअनुप में सहायक महानिदेशक (बीज) के पद पर कार्य करते हुए उनका ब्यूरो से निकट का संबंध रहा और वे ब्यूरो के सभी क्रियाकलापों के प्रबोधन में सहायक तथा आईसीएआर व ब्यूरो के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी रहे हैं। जी. बी. पंत कृषि विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्र डॉ. संधु ने 1982 में एम.एस.सी. (पादप प्रजनन) तथा 1985 में पी.एच.डी की उपाधि ग्रहण की। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में (1986-2010) उन्होंने दलहन प्लांट ब्रीडर के रूप में विभिन्न पदों पर उल्लेखनीय योगदान दिया जिसके फलस्वरूप उन्हें कई पारितोषिक और सम्मान जैसे टीम अवार्ड (चना); सीजीआईएआर का किंग बुदोइन अवार्ड 2002 तथा इकीसेट डोरीन माशालर 2002; पीएयू, लुधियाना द्वारा वर्ष 2007-08 के लिए उत्तम अनुसंधानकर्ता का पुरस्कार तथा इंडियन सोसायटी आफ पल्सेज रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आईएसपीआरडी) का रिकग्निशन अवार्ड 2009 प्रदान किया गया। आईसीएआर-एनबीजीआर, डॉ. संधु को उनके नए पद पर पूर्ण सफलता की कामना करता है। डॉ. संधु ने 28 फरवरी, 2015 को संस्थान का दौरा किया और वैज्ञानिकों के साथ विमर्श किया तथा प्रत्येक वैज्ञानिक द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने ब्यूरो तथा वैज्ञानिकों से भविष्य में की जा रही अपेक्षाओं के बारे में उन्हें परामर्श दिया।



आईसीएआर-एनबीपीजीआर के निदेशक डॉ. के.सी. बंसल द्वारा 28 फरवरी, 2015 को डॉ. जे.एस. संधु, उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान), आईसीएआर द्वारा उनके संस्थान के दौरे पर सभी वैज्ञानिकों के साथ आयोजित पारस्परिक विमर्श के दौरान उनका स्वागत करते हुए

### आईसीएआर-एनबीपीजीआर बना आईएसओ 9001-2008 प्रमाणित संस्थान

कृषि के स्थाई विकास से संबंधित अनुसंधान तथा मानव संसाधन विकसित करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर खाद्य एवं कृषि कार्यों के लिए पादप आनुवंशिक संसाधनों की संकलन व प्रबंधन के लिए एक नोडल संस्थान के रूप में कार्य करने के लिए इसके उकृष्ट प्रबंधन प्रणाली के लिए आईसीएआर-एनबीपीजीआर को आईएसओ 9001:2008 का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। यह आईएसओ प्रमाणपत्र मार्च 07, 2015 से प्रभावी हुआ है।





## पीजीआर क्रियाकलाप

### अन्वेषण एवं जननद्रव्य संग्रह

#### अरहर की जंगली प्रजातियों की खोज और उनका संग्रह



पूर्वी घाट के शोरवारॉय पहाड़ियों से एकत्रित राइनकोजिया रुफेसेंस

तमिलनाडु के शोरवारॉय पहाड़ियों, पच्छिमाल और कोल्लि पहाड़ियों, सलीम तथा तिरुचिरापल्ली जिले के कुछ हिस्सों से अरहर की जंगली प्रजातियों के संग्रह हेतु एक अन्वेषण कार्यक्रम चलाया गया। इस कार्यक्रम को आईसीएआर-एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद द्वारा भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर, दलहनी फसलों पर एआईसीआरपी, तथा पादप आनुवंशिक संसाधन विभाग (पीजीआर), तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयम्बटूर के सहयोग से संचालित किया गया। इस अन्वेषण में कुल मिलाकर 29 संग्रह किए गए जिनमें *केजानस आल्बिकन्स*, *सी. रुगोसस*, *सी. स्केराबियोडिस*, *सी. प्लेटिकार्पस*, *सी. सेरिसियस*, *सी. केजनिफोलियस*, *राइनकोजिया रुफेसेंस*, *आर. मिनिमा*, *क्रोटेलेरिया शोब्रोयेंसिस*, *सी. माइकन्स*, *सी. लांजिपिस*, *सी. लेबर्निफोलिया* तथा *कोटोलेरिया स्पी.*, *टेफ्रोजिया स्पी.* तथा *एब्रस प्रिकेटोरियस* शामिल हैं। इसके अलावा, पहाड़ी किस्म की अरहर, सेम बीन, फ्रेंच बीन, लोबिया, मूंग तथा कुलथी को शामिल करते हुए कुल 43 नमूनों का संग्रह भी किया गया।

#### पूर्वी घाट में अन्वेषण तथा संग्रह कार्य

आईसीएआर-एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, त्रिशुर द्वारा लोबिया, कुलथी तथा मिलेट जननद्रव्य के संग्रह हेतु 27 दिसम्बर, 2014 से जनवरी 01, 2015 तक तमिलनाडु के ईरोड में पूर्वी घाट के हिस्सों, धर्मपुरी तथा तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिलों में एक अन्वेषण एवं संग्रह कार्यक्रम का संचालन किया गया। ईरोड जिले के बरगूर वन क्षेत्र तथा धर्मपुरी जिले में चिथेरी हिल्स का पहली बार सर्वेक्षण किया गया तथा शोलागर तथा मलइयाल्ली जनजातियों के प्राकृतिक वासों का निरीक्षण किया गया। ज्वार और रागी को सामान्य रूप से तथा गौण कदनों में प्रोसो मिलेट, कोदो मिलेट तथा फॉक्सटेल मिलेट को

जनजातियों द्वारा बहुत कम उगाते हुए पाया गया। इस अभियान में 17 फसलों के कुल मिलाकर 65 नमूनों को एकत्रित किया गया।

#### धान के जननद्रव्य के संग्रह हेतु खोजी अभियान

आईसीएआर-एनबीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद द्वारा कर्नाटक के तुमाकुरु, उत्तर कन्नड़, बेलागावी, चिकमगलुरु, चित्रदुर्गा, दवानागीर, धारवाड़ तथा हवेरी जिले से धान के जननद्रव्य के संग्रह के लिए एक अन्वेषण कार्यक्रम का संचालन किया गया। इस अभियान को आईसीएआर-धान अनुसंधान निदेशालय के सहयोग से संचालित किया गया। कुल मिलाकर 111 नमूनों को एकत्रित किया गया। महत्वपूर्ण संग्रह की गई स्थानीय किस्मों में *आर्या*, *बलिगा*, *हलगा*, *बंगारा सन्ना*, *बेली नेल्लू*, *बिली डोड़डी*, *बिली हेग्गे*, *बिली कग्गा*, *बाइरिनेल्लू*, *दसर पत्ते*, *देवामलिगा*, *डोड़डा भट्टा*, *डोड़डा ब्यारानेल्लू*, *डोड़डा गेरासालू*, *डोड़िग्गा*, *गमांड भट्टा*, *गंधासाले*, *गुमकडले*, *हलगा*, *हलजा*, *हालुगिडडा*, *हनासु*, *होला भट्टा*, *हुग्गी भट्टा*, *जादू भट्टा*, *जवागु*, *जीरागे सन्ना*, *कागा*, *कजाया*, *कनडा तुम्बा भट्टा*, *कारे भट्टा*, *कारी अक्काला साली*, *कारी डोड़डी*, *कारी काल डोड़िग्गा*, *कारी कग्गा*, *कारी कलावी*, *कारीजादू*, *कारी भट्टा*, *करसे मुल्लु नेल्लु*, *केम्पा देवामलिगे*, *कैम्पनेल्लु*, *कंपोटी भट्टा*, *कृष्ण लीला*, *मलाकाथि*, *मालगुडी सन्ना*, *मलिगे*, *मारा भट्टा*, *मारनेमि बुड्डा*, *मसाले पुट्टा भट्टा*, *मात्ता हलिगा*, *मत्तालागा*, *मुदीगेरी सन्ना*, *मुलारे*, *मुल्लु नेल्लु*, *मैसूर मलिगे*, *मैसूर ओल्या*, *मैसूर सान्ना*, *नागा भट्टा*, *नारिकेला*, *नाटी किरुवेन्ना*, *परिमला सन्ना*, *पुत्ता भट्टा*, *राजा मुडी*, *सम्पिगे*, *सन्ना भट्टा*, *सन्नाकी*, *सन्ने राजा केइमी*, *सिददा सन्ना*, *सलीरा*, *उरुला चिप्पिगा*, *वाल्या*, *वोटग्या*, तथा *येदाकुन्नी* सम्मिलित हैं। पौधों की ऊंचाई (छोटी/मध्यम/ऊंची/बहुत उँची), पुष्पगुच्छ की लंबाई, आकार, पुष्पगुच्छ शाखाओं की संख्या, दानों की संख्या/पुष्पगुच्छ, ग्लूम का रंग (काला, भूरा, गहरा भूरा), बीज की लंबाई, दाने का प्रकार, दाने का रंग (सफेद, लाल), परिपक्वता (अति अगेती, अगेती, मध्यम, लेट तथा बहुत लेट), विभिन्न जैविक (प्रध्वंस, लूज स्मट) तथा अजैविक (नमी, सूखा) दबावों के प्रति सहिष्णुता/प्रतिरोधिता में उल्लेखनीय विभिन्नता पाई गई।

#### जननद्रव्य का विनिमय

##### आयात

इस दौरान 20 विभिन्न देशों से फसलों के कुल मिलाकर 8,048 प्राप्तियां का समावेश किया गया जिसमें 2,273 ट्रायल प्रविष्टियां तथा 5,775 जननद्रव्य की प्राप्तियां सम्मिलित हैं। इनमें से कुछ संभावना वाली प्रविष्टियों को नीचे दिया जा रहा है:

**जौ (ईसी836449-745), लेबनान:** पीला रतुवा अनुवीक्षण के लिए



कपास (ईसी838248-71), यूएसए: एसटी 457 x t x 1145 की संपृथकृत समष्टि

कपास (ईसी838272), यूएसए: एसटी 457 जनकीय लाइन

चावल (ईसी837147-78), आईआरआरआई, फिलीपींस: प्रध्वंस मोनोजेनिक लाइन

चावल (ईसी837459-585), आईआरआरआई, फिलीपींस: उच्च जिक वाली लाइन

चावल (ईसी838493-96), फ्रांस: टी-डीएनए/टीओएस17 इंसर्टेड म्यूटेंट लाइन

चावल (ईसी839761-64), आईआरआरआई, फिलीपींस: जलमग्नता, सूखा लाइनें

टमाटर (ईसी840590-92), नीदरलैंड: लघु इंट्रोग्रेशन लाइनें- टीवाई लाइनें

गेहूं (ईसी836757, ईसी838629) सिमित, मैक्सिको: टिमोफीवि साइटोप्लाज्म सहित नर बंध्यता वोरोबी प्रतीप संकर

गेहूं (ईसी836758, ईसी838630) सिमित, मैक्सिको: वोरोबी लाइंस हेतु वोरोबी मेनटेनर, ए. एसटीवम साइटोप्लाज्म

गेहूं (ईसी836759) सिमित, मैक्सिको: ताप सहिष्णु

गेहूं (ईसी836760-61) सिमित, मैक्सिको: टिमोफीवि साइटोप्लाज्म सहित नर बंध्यता नेलोकी प्रतीप संकर

गेहूं (ईसी 836762) सिमित, मैक्सिको: नेलोकी ए लाइंस हेतु नेलोकी मेनटेनर

गेहूं (ईसी836763-64) सिमित, मैक्सिको: ऑस्ट्रेलियन हाइब्रिड मरकरी (नर आर 568 जी)

गेहूं (ईसी838631) सिमित, मैक्सिको: टिमोफीवि साइटोप्लाज्म सहित मेल स्टेराइल नवोजोवा प्रतीप संकर

गेहूं (ईसी838632) सिमित, मैक्सिको: नवोजोआ ताप सहिष्णु सिमित वैराइटी, नवोजोआ ए लाइंस हेतु मेनटेनर, एस्टीवम साइटोप्लाज्म

गेहूं (ईसी838633) सिमित, मैक्सिको: टिमोफीवि साइटोप्लाज्म सहित मेल स्टेराइल नेलोकी प्रतीप संकर

गेहूं (ईसी 838634) सिमित, मैक्सिको: नेलोकी ए लाइंस के लिए नेलोकी मेनटेनर, एस्टीवम साइटोप्लाज्म

गेहूं (ईसी838635-36) सिमित, मैक्सिको: टिमोफीवि रेस्टोरर लाइन, अच्छी पॉलीनेटर, ऑस्ट्रेलियन हाइब्रिड मरकरी से रिकवर्ड आरएफ जीन (नर आर568जी)

गेहूं (ईसी841516), यूएसए: लंबे दाने वाली तथा उत्कृष्ट उपज योग्यता, रोगों के विरुद्ध प्रतिरोधी, ओकलाहोमा और उसके चारों ओर के राज्यों में प्रचलित, कंप्रेसिव डिफारमेशन से पृथक किए गए ग्लूटेकन अंश की अप्रत्याशित पुनः प्राप्ति

**निर्यात**

अनुसंधान के लिए कुल मिलाकर गेहूं (ट्राइटिकम एस्टीवम) के 290 नमूनों को इंग्लैंड (यूके) भेजा गया।

**पादप संगरोध**

कुल मिलाकर 4,873 नमूनों को संसाधित किया गया, जिनमें से 175 को संक्रमित/संदूषित पाया गया। यह संक्रमण, संदूषण व मिलावट विभिन्न प्रकार के कीटों, कवकों/बैक्टीरिया, नेमाटोड तथा खरपतवार के बीजों के कारण पाया गया। 17 नमूनों को रद्द किया गया तथा शेष 158 संक्रमित/संदूषित नमूनों को विभिन्न प्रकार के भौतिक-रासायनिक विधियों से बचाया गया। पाए गए इन्टर्सपेनस को नीचे दिया जा रहा है।

| कीट               | फसल            | स्रोत/देश   |
|-------------------|----------------|-------------|
| <b>कवक</b>        |                |             |
| टिलेटिया          | ओराइजा सेटाइवा | ब्राजील     |
| बारक्लेयाना       |                |             |
| एस्कोकाइटा लेंटिस | लेंस कुलिनैरिस | ऑस्ट्रेलिया |
| <b>नीमाटोड</b>    |                |             |
| प्रेटिलेंकस स्पी  | मेलस           | नीदरलैंड    |
| एफीलेकोडिस बेसेई  | डोमेस्टिका     | फिलीपींस    |
|                   | ओ. सेटाइवा     |             |
| <b>खरपतवार</b>    |                |             |
| एमेक्स ऑस्ट्रेलिस | साइसर          | मोरक्को     |
| माल्वा परविफ्लोरा | एसीटिनम        |             |
| निकोटियाना        |                |             |
| प्लंबाजिनिफोलिया  |                |             |

जननद्रव्य संरक्षण प्रभाग से बीज स्वास्थ्य जांच के लिए कुल 2,729 नमूने प्राप्त हुए जिनको देखकर जांच की गई तथा 385 नमूनों का एक्स रे किया गया और 06 नमूनों को रद्द किया गया। शेष 2,723 नमूनों को गैर-रासायनिक विधि का उपयोग करते हुए बचाया गया।

संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, में कुल 6,087 आयातित नमूनों (4,595 नमूनों) और निर्यातित नमूनों (1,492 नमूनों) को क्वारंटाइन किलयरेंस के लिए परिष्कृत किया गया। अनिवार्य औपचारिक उपचार के पश्चात आयातित जननद्रव्य (5,216 नमूनों) को मांगकर्ताओं (कंसाइनीज) को जारी किया गया। सभी को मिलाकर 07 फाइटोसेनिटरी प्रमाणपत्र निर्गत किए गए। प्रोसेसिंग के दौरान, राइजोक्टोनिया सोलेनी, आर. बेटाटिकोला, लेसियोडिप्लोडिया स्पी. तथा स्टेनोकारपेला जी, पेस्टालोटिया स्पी., साइटोफिलस ओराइजी तथा ट्राइबोलियम केस्टेनियम को विभिन्न देशों से प्राप्त आयातित मक्के पर पाया गया। यूएसए से प्राप्त जेट्रोफा करकास पर मेकोफोमिना फेजियोलिना तथा माइरोथीसियम रोरिडम को, अर्जेंटाइना से प्राप्त सूरजमुखी पर आल्टरनेरिया हेलिएंथी तथा कोरसिरा सेफालोनिका को तथा ऑस्ट्रेलिया से प्राप्त अकेशिया पर केरिडॉन सेरेटस को इंटरसेप्ट किया गया।

**जननद्रव्य का लक्षण वर्णन और मूल्यांकन**

**सब्जियों के जननद्रव्य का लक्षणवर्णन**

एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, त्रिशुर में निम्न सब्जियों का लक्षणवर्णन किया गया।



**पेठा (बेनिनकासा हिस्पिडा)** : पेठे के सात मात्रात्मक तथा 10 गुणात्मक विशेषताओं के लिए तीन चैक किस्मों सहित 39 प्राप्तियों का लक्षणवर्णन किया गया। फल के आकार, भार, लंबाई तथा प्रकार में काफी विभिन्नता देखी गई। उत्तर-पूर्वी पर्वतीय (एनईएच) क्षेत्र से एकत्रित अधिकतर संग्रहों में विभिन्न आकृतिक आकार, विशिष्ट गोल तना, अधिक लोब, छोटी और गहरी हरी पत्तियां तथा फल का अनूठा आकार (नाशपाती जैसा आकार, धारियां (रिज्ड), महीन बीज तथा कभी कभार नॉन एशी, हरा छिलका) पाया गया। एक फल का सर्वाधिक औसत भार 7.8 किग्रा तक पाया गया (एसकेवाई/एसी-311) तथा 7.2 किग्रा (आईसी596989) में पाया गया जबकि सबसे कम भार 0.55 किग्रा को 'नेकुम्बालम' (जेजेके/मिस्लीनियस14-11) तथा 0.85 किग्रा को 'मारुन्कुम्बालम' (जेजेके/मिस्लीनियस 14-10) में दर्ज किया गया। ये दोनों केरल की औषधीय देशन प्रजातियां हैं। फलों की लंबाई का रेंज 16 सेंमी (जेएन/98-02, जेजेके/मिस्लीनियस 14-11) से 44 सेंमी (आईसी596989, एसकेवाई/एसी-246, एसकेवाई/एसी-264) के बीच पाया गया। नाशपाती के आकार के फल जेबी/12-198बी, जेबी/12-207, जेबी/11-52 तथा आईसी596992 में दर्ज



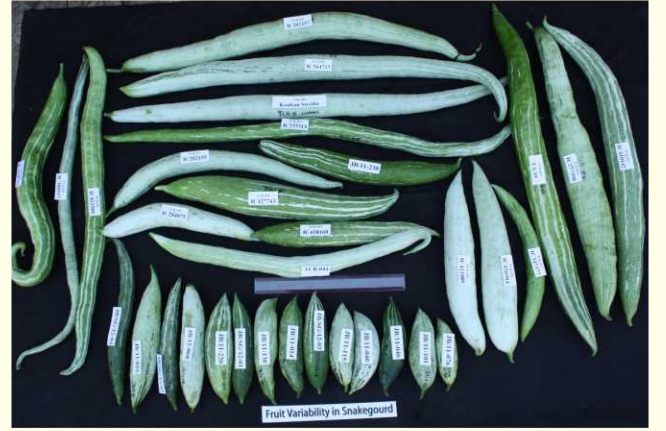
पेठा जननद्रव्य के फलों में विभिन्नता

किए गए।

बेलनाकार लंबे साइज के फल एसकेवाई/एसी-260, एसकेवाई/एसी-270 तथा एसकेवाई/एसी-238 में देखे गए। प्राप्ती जेबी/12-298 बी में विशिष्ट प्रकार की नॉन-वैक्सरी हरी फल सतह थी।

**स्नेप मेलन (कुकुमिस मेलो वेर. मोमोर्डिका)**: दोहरे उद्देश्य वाले एक संग्रह (जेजेके/मिस. 14-13) जिसके मुलायम फलों को ओरियेंटल अचार के लिए तथा परिपक्व फलों का करी बनाने में उपयोग किया जा सकता है, को उपयोगी पाया गया। इनकी त्वचा आकर्षक गहरे हरे रंग की तथा सफेद चित्तीदार होती है तथा इसके लंबे फलो का औसत भार 1.8 किग्रा पाया गया।

**चीचिंडा (ट्राइकोसेंथिज एंगुइना)**: उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से एकत्र किए गए 16 प्राप्तियों का उनके फलों की विशेषताओं के लिए लक्षणवर्णन किया गया। प्राप्त फल छोटे तथा उनकी लंबाई का रेंज 16-40 सेंमी के बीच तथा एक फल का वजन 100-250 ग्राम के बीच पाया गया। फलों का रंग ऑलिव ग्रीन सफेद



उत्तर-पूर्वी क्षेत्र चिचिंडा गौर्ड के फलों में पाई गई फल-विविधता

धारियों सहित या तो सफेद चित्तीदार या था। सभी 16 प्रप्तियों को लीफ क्रिंकल वायरस रोग के प्रति अति-सुग्राह्य पाया गया।

**यार्ड लॉग बीन (विग्ना अनगुडकुलाटा सब स्पी. सेस्किवपेडालिस)**: एनईएच क्षेत्र से एकत्रित किए गए यार्ड लॉग बीन के 40 प्राप्तियों का पॉच गुणात्मक तथा 06 मात्रात्मक गुणों के लिए लक्षणवर्णन किया गया। फलियों के रंग तथा लंबाई (12-53.6 सेंमी) में काफी विभिन्नता पाई गई।



यार्ड लॉग बीन के संभावनायुक्त संग्रह

एमटीवाईएलबी-32, एमटीवाईएलबी-33 तथा केपीएससी 1575 को छोड़कर सभी प्राप्तियों में वाइरस का गंभीर प्रकोप दर्ज किया गया।

### शिमला में जननद्रव्य का लक्षणवर्णन

आईसीएआर-एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, शिमला में हरी मटर (462), मसूर (16) तथा ओट (293) के जननद्रव्य को लक्षणवर्णन



### एमरेंथ (चौलाई) का लक्षणवर्णन एवं मूल्यांकन

आईसीएआर-एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, अकोला में चौलाई दाना के ट्रॉयल (65), डीयूएस ट्रॉयल (11), जननद्रव्य (1,070) तथा सब्जी चौलाई (85) के प्राप्तियों को उगाया गया। लक्षणवर्णन तथा डीयूएस गुणों के लिए आंकड़ों को दर्ज किया गया। इसके अलावा, संभावित फसलों पर एआईसीआरएन के अंतर्गत चौलाई दाना की प्रबोधन का कार्य भी किया गया।



डीयूएस टेस्ट दिशा-निर्देश विकसित करने के लिए चौलाई दाना की किस्मों का लक्षणवर्णन

## जननद्रव्य फील्डदिवस और मेलों का आयोजन



तिलहनी, दलहनी तथा अन्य संभावित फसलों के लिए आयोजित जननद्रव्य फील्ड दिवस में सहभागी

### रबी तिलहन, दलहन तथा अन्य संभावित फसलों पर जननद्रव्य फील्ड दिवस का आयोजन

आईसीएआर-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली में 18 मार्च, 2015 को रबी तिलहन, दलहन तथा अन्य संभावना वाली फसलों पर एक जननद्रव्य फील्ड दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 11 राज्यों से 12 संगठनों के 50 वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। इसमें सहभागियों द्वारा अलसी (लिनसीड) के 250, दालों (लेंटिल) के 750 तथा अन्य संभावना वाली फसलों के 100 प्राप्तियों का अनुवीक्षण किया गया तथा फसल सुधार कार्यक्रम में विभिन्न विशेषताओं के लिए वांछित प्राप्तियों का चयन किया गया।

### गेहूं और जौ के लिए जननद्रव्य फील्ड दिवस का आयोजन

आईसीएआर-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली के इस्सापुर फार्म तथा आईसीएआर-एनबीपीजीआर के फार्म, आईएआरआई में 26 मार्च, 2015 को गेहूं और जौ पर जननद्रव्य फील्ड दिवस का आयोजन किया गया। इस फील्ड दिवस में आईसीएआर के विभिन्न संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा सरकारी विभागों के 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को संस्थान के इस्सापुर फार्म में ले जाया गया तथा उन्हें 4,316 गेहूं की प्राप्तियों को दिखाया गया जिसमें कोर सेट (~ 2,805 प्राप्तियों), रेफरेंस सेट (~ 348 प्राप्तियों), बारानी मूल्यांकन हेतु सेट (1,483 प्राप्तियों) तथा 253 प्राप्तियों के एक सेट को अधिकतम तापमान

(टर्मिनल हीट) तथा सूखा सहनशीलता के लिए मूल्यांकित किया गया। इसके अलावा, राष्ट्रीय जीन बैंक से प्राप्त जौ के 257 प्राप्तियों के एक सेट को भी ब्रीडरों को दिखाया गया। अजैविक दबावों के विरुद्ध मूल्यांकन के लिए उगाए गए गेहूं के 650 प्राप्तियों के एक सेट को दिखाने के लिए इन प्रतिभागियों को एनबीपीजीआर के आईएआरआई फार्म का भ्रमण करवाया गया। प्रतिभागियों ने कोर सेट में प्रदर्शित विभिन्नता के संपूर्ण रेंज की प्रशंसा की तथा अपनी पसंद की सामग्री का चयन किया तथा जननद्रव्य के और अधिक मूल्यांकन के लिए विशिष्ट गुणों के मूल्यांकन के लिए मूल्यवान फीडबैक दिया।



गेहूं के जननद्रव्य का अनुवीक्षण करते प्रतिभागी

### मेलों में सहभागिता

आईसीएआर-एनबीपीजीआर ने 10 से 12 मार्च, 2015 तक आईएआरआई द्वारा आयोजित 'पूसा कृषि विज्ञान मेला' में भाग लिया तथा इस अवसर पर लगाई गई थीमेटिक स्टॉल में पोस्टरों तथा सजीव मॉडलों को प्रदर्शित किया गया तथा सामान्य स्टॉल में पोस्टरों, सजीव सामग्री, पैम्फलेट तथा ब्रोशर के माध्यम से अन्य क्रियाकलापों को प्रदर्शित किया गया। संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग ने आईसीएआर अनुसंधान परिसर, उमियम द्वारा 9 से 10 जनवरी, 2015 तक आयोजित 'नार्थ ईस्टर्न जोन रीजनल एग्रीकल्चर फेयर 2014-15' में सहभागिता की। इस अवसर पर लगाए गए स्टालों को बड़ी संख्या में किसानों, वैज्ञानिकों, कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्मिकों तथा स्कूली बच्चों ने देखा।



## पीजीआर छात्र

### आईएआरआई के दीक्षांत समारोह में पीजीआर में डिग्री प्राप्त करते हुए छात्र

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली में 20 फरवरी, 2015 को आयोजित 53वें दीक्षांत समारोह के दौरान पादप आनुवंशिक संसाधन (पीजीआर) विषय में एक पीएचडी तथा 04 एमएससी डिग्री प्रदान की गई जिसका विवरण निम्न प्रकार है:



आईएआरआई के 53वें दीक्षांत समारोह के दौरान डिग्री प्राप्त करने वाले आईएआरआई (पीजीआर) के छात्र – श्री राजप्पा जे. जे., सुश्री पद्मावती गोरे, श्री पवन मालव, श्री बादल सिंह तथा श्री अनिल पाटीदार (बाएं से दाएं)

| छात्र                              | थीसिस का शीर्षक  |
|------------------------------------|--|
| <b>पीएच.डी.</b>                    |  |
| राजप्पा, जे.जे.<br>(रोल # 9724)    | मूंग में संरक्षित ऑर्थोलोगस मार्करों का सृजन एवं लक्षणवर्णन  |
| <b>एम.एससी.</b>                    |  |
| बादल सिंह<br>(रोल # 20325)         | भारत में जीनस <i>गरसिनिया</i> के आनुवंशिक संसाधन तथा उनकी अगेमोस्पर्मी स्थापित करने के लिए उनकी प्रजनन जैविकी पर अध्ययन                |
| अनिल पाटीदार<br>(रोल # 20326)      | गेहूं ( <i>ट्राइटिकम एस्टीवम</i> एल.) जननद्रव्य में टर्मिनल ताप दबाव सहनशीलता के दैहिकी एवं आण्विक मैकेनिज्म का प्रकटीकरण (अनरेवेलिंग) |
| पवन के. मालव<br>(रोल # 20327)      | भारत में <i>ओसिमम टेनुईफ्लोरम</i> (लेमिएसी) के आकृतिक, आण्विक और जैव – रासायनिक विविधता  |
| पद्मावती जी. गोरे<br>(रोल # 20328) | जीनस लैंस की विभिन्न प्रजातियों में पापुलेशन आनुवंशिक संरचना का विश्लेषण   |

### सुश्री पद्मावती को आईएआरआई उत्कृष्टता पदक

सुश्री पद्मावती जी. गोरे को आईएआरआई, नई दिल्ली के 53वें दीक्षांत समारोह में एम.एससी. (पीजीआर) में शैक्षणिक वर्षों (2012-14) के दौरान किए गए समग्र कार्य उपलब्धि के लिए उन्हें आईएआरआई पदक प्रदान किया गया। आईएआरआई द्वारा एम. एस.सी. तथा पी.एच.डी. पूर्ण करने वाले उत्कृष्ट विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष इस प्रकार के पाँच पारितोषिक प्रदान किए जाते हैं।

### पीजीआर विद्यार्थियों को आईएसपीजीआर पारितोषिक

वर्ष 2014 तथा 2015 के लिए इंडियन सोयाइटी ऑफ प्लांट जेनेटिक रिसोर्स (आईएसपीजीआर) द्वारा प्रदत्त डॉ. के. एल. मेहरा मेमोरियल अवार्ड सर्वोत्कृष्ट पीजीआर विद्यार्थी होने के कारण क्रमशः श्री मनीश मित्तल (बाएं) तथा सुश्री पद्मावती गोरे

(दाएं) ने प्राप्त किया। यह पारितोषिक 5 मार्च, 2015 को सम्पन्न आईएसपीजीआर अवार्ड समारोह के दौरान डॉ. ए. एस. परोदा, प्रोफेसर एच. वाई. मोहन राम तथा डॉ. बी. एस. दिल्ली की उपस्थिति में एनबीपीजीआर के निदेशक डॉ. के. सी. बंसल द्वारा प्रदान किया गया।



## आगामी कार्यक्रम

फसलों के जंगली प्रजातियों पर अल्पकालीन पाठ्यक्रम: पहचान, संग्रह और उपयोग

19 से 28 अगस्त, 2015

फसल सुधार हेतु फसलों की जंगली प्रजातियों (सीडब्ल्यूआर) की भूमिका को समझना, नेटिव (स्थानीय) विविधता के डोमेस्टिकेशन और उपयोग पर आईसीएआर-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली द्वारा उपरोक्त पाठ्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य सीडब्ल्यूआर में स्थानीय विविधता तथा इसके प्रबंधन के बारे में प्रतिभागियों के ज्ञान में वृद्धि लाना है। इसमें शामिल विषयों में विविधता वितरण, अन्वेषण, टैक्सोनॉमिक पहचान, उपयुक्त संग्रह नीतियों, बीज भंडारण व्यवहार तथा उनके संभावित उपयोग को शामिल किया गया है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. एस. पी. अहलावत, अध्यक्ष, पादप अन्वेषण तथा जननद्रव्य संग्रह प्रभाग, आईसीएआर-एनबीपीजीआर, पूसा कैंपस, नई दिल्ली-110 012, फोन: 011-25848405 (कार्या); मोबाइल-09650850740; फ़ैक्स: 011-25842495  
E mail: exploration@nbpgr.ernet.in; ahlawatp@gmail.com

Or visit CBP portal (<http://www.iasri.res.in/cbp>) or ICAR-NBPGR website (<http://www.nbpgr.ernet.in>)



# किसानों के लाभ के लिए पादप आनुवंशिक संसाधन (पीजीआर)

## अरहर की किसानों की किस्म पंजीकृत

अरहर (कैजेनस केजेन) की एक संभावनाशील किसान की किस्म (ईरामाच्चा कांडी) को पीपीवीएंडएफआरए, नई दिल्ली द्वारा पंजीकृत (प्रमाणपत्र # 65/2015) किया गया। यह किस्म तेलंगाना राज्य की पहली किसान किस्म बनी तो वहीं देश में अरहर की तीसरी पंजीकृत किस्म है। इस किस्म की विशेषताओं में पौधा की बहुत लंबी प्रकृति (235 सेंमी), मध्यम परिपक्वता, अत्याधिक फलन (269 फली/पौध), लाल-भूरे स्ट्रीक सहित लंबी हरी फलियां (9.4 सेंमी), बीज क्रीम रंग से लेकर लाल-भूरा चित्तीदार/स्पेकल्स, अधिक बीज वजन (18 ग्राम), प्रोटीन (22.0 प्रतिशत), उच्च घुलनशील शर्करा (23.9 प्रतिशत) तथा कम स्टार्च (30.4 प्रतिशत) शामिल हैं। इस किस्म के पंजीकरण की सुविधा एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद द्वारा उपलब्ध करवाई गई तथा इसे बाँयोवर्सिटी प्रबंधन कमेटी, झारी गांव, केरामेरी मंडल, आदिलाबाद जिला, तेलंगाना द्वारा प्रस्तुत किया गया।



ईरामाच्चा कांडी के पौधे की प्रकृति



फलियां और बीज

## क्षेत्रीय भाषा (तेलुगू) में सामुदायिक बीज बैंक पर पुस्तिका

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों में किसानों के लाभार्थ सामुदायिक बीज बैंक की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए

विविधता मेला एवं तृणमूल स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम ट्राइबल सपोर्ट प्रोजेक्ट (टीएसपी) के अंतर्गत आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के चिंटूर में सम्पन्न हुआ।

**National Bureau of Plant Genetic Resources**  
Regional Station  
Rajendranagar, Hyderabad-500 030, Telangana  
Tel: 040-24015478 Fax: 040-24014072  
E-mail: nbpgrhy@yahoo.com

**सामुदायिक बीज बैंक (Community Seed Banks)**

प्रकृतिक रोगों से निवारण, बीजों की सुरक्षा, बीजों के अभाव में किसानों को बीज उपलब्ध कराना, बीजों के अभाव में किसानों को बीज उपलब्ध कराना, बीजों के अभाव में किसानों को बीज उपलब्ध कराना...

Prepared, compiled and edited by  
Dr.Someswara Rao Pandravada, Dr.B.Sarath Babu, Dr.N.Sivara,  
Dr.K.Kamala, Dr.A.Abraham, Dr.K.Ramesh, Dr.K.Antia  
and Dr.S.K.Chakraborty



## तेलुगू में सामुदायिक बीज बैंक पर पुस्तिका

'सामाजिका विट्टना ब्यांकुलु' (सामुदायिक बीज बैंक) नामक एक चार पृष्ठ की पुस्तिका का प्रकाशन एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद द्वारा किया गया। इसके लेखकों में डॉ. एस. आर. पंद्रावडा, बी. सारथ बाबू, एन. सिवाराज, वी. कमला, बी. अब्राहम, के. रमेश, के. अनीता तथा एस. के. चक्रवर्ती शामिल हैं।

## जैव-विविधता मेला तथा पीजीआर जागरूकता कार्यक्रम

एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद ने आदिवासी समुदाय हेतु कार्यरत एक एनजीओ 'आशा' के साथ मिलकर 21 फरवरी, 2015 को 'पादप आनुवंशिक संसाधन संरक्षण' पर एक जैव

पीजीआर संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम के अवसर पर एक आदिवासी किसान वार्ता में भाग लेते हुए (ऊपर) तथा प्रतिभागियों का दृश्य (नीचे)



## कार्मिक समाचार

**डॉ जे. सी. राणा**, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी एनबीपीजीआर क्षेत्रीय केंद्र, शिमला ने आईसीएआर के पूर्वोत्तर पर्वतीय परिसर, बड़ापानी, शिलांग द्वारा स्थापित प्रथम **प्रोफेसर एम.एस. स्वामीनाथन नेशनल अवार्ड फॉर आउटस्टैंडिंग रिसर्च ऑन हिल एग्रीकल्चर** पारितोषिक 01 जनवरी, 2015 को प्राप्त किया। इस पारितोषिक में ₹0 एक लाख नकद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। डॉ राणा का अनुसंधान कार्य प्रमुख रूप से भारतीय हिमालयी क्षेत्रों के पादप आनुवंशिक संसाधनों के प्रबंधन तथा स्थाई उपयोग पर केंद्रित है।

आईसीएआर-एनबीपीजीआर के जीनोमिक संसाधन प्रभाग, के वैज्ञानिक **डॉ यासीन जे. के.** को भारत सरकार के कृषि एवं सहकारिता विभाग द्वारा केंद्रीय बागवानी संस्थान में 17 से 19 फरवरी तक आयोजित 'उत्पादकता, पोषणिक गुणवत्ता तथा मूल्य संवर्द्धन (टीआईएस-2014) हेतु कृषि विज्ञान में प्रौद्योगिकी युक्तियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन' के दौरान कृषि के क्षेत्र में एसआरडीए गोल्ड मेडल-2014 प्रदान किया गया।

### नियुक्तियां

**डॉ आर. के. त्यागी**, प्रधान वैज्ञानिक ने 20 फरवरी, 2015 को आईसीएआर-एनबीपीजीआर के जननद्रव्य संरक्षण प्रभाग के अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया।

**डा एस. पी. अहलावत**, ने 26 फरवरी, 2015 को आईसीएआर-एनबीपीजीआर के पादप अन्वेषण एवं जननद्रव्य संग्रह प्रभाग के अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया।

**डॉ एन. दीक्षित**, वरिष्ठ वैज्ञानिक को 24 जनवरी, 2015 को आईसीएआर-एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, अकोला का प्रभारी नियुक्त किया गया।

### सेवानिवृत्ति

**श्री एच. एस. चौहान**, प्रशासनिक अधिकारी, 31 जनवरी, 2015 को आईसीएआर-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली से सेवा निवृत्त हुए।

**सुश्री कुलजीत कौर**, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, आईसीएआर-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली से 31 जनवरी, 2015 को सेवा निवृत्त हुईं।

**डॉ (सुश्री) ई. रोशिनी नायर**, प्रधान वैज्ञानिक, पादप अन्वेषण एवं जननद्रव्य संग्रह प्रभाग 28 फरवरी, 2015 को आईसीएआर-एनबीपीजीआर से सेवा निवृत्त हुईं।

**श्री प्रकाश चंद्र**, वरिष्ठ तकनीकी सहायक, जननद्रव्य मूल्यांकन प्रभाग, आईसीएआर-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली से 28 फरवरी, 2015 को सेवा निवृत्त हुए।

**श्री हरेन्दर सिंह**, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी-6), जननद्रव्य मूल्यांकन प्रभाग, आईसीएआर-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली से 31 मार्च, 2015 को सेवा निवृत्त हुए।

### स्थानान्तरण

**डॉ एम. अब्दुल निजार**, वरिष्ठ वैज्ञानिक को 24 जनवरी, 2015 से आईसीएआर-एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, अकोला से त्रिशुर को स्थानान्तरित किया गया।

**श्री के. सी. कुंडु**, सहायक (पी-11) को आईसीएआर-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली से रांची स्थानान्तरित किया गया।

### प्रदोन्नोति

**श्री अवधेश कुमार** को 30 जनवरी, 2015 को सहायक से सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रोन्नति दी गई।

**श्री सुभाष चंद्र शर्मा** को 9 मार्च, 2015 को सहायक से सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रोन्नति दी गई।

### मानव संसाधन विकास

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कृषि अनुसंधान अधिष्ठात्रवृत्ति कार्यक्रम (आरटीएफ-डीसीएस) में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अंतर्गत **डॉ तपन कुमार मंडल**, वरिष्ठ वैज्ञानिक, जीनोमिक संसाधन प्रभाग के मेंटरशिप में नाइजीरिया की ऊस्मानु डेनफोडियो विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग के लेक्चरर, **डा मोहम्मद अबूबकर गुमी** को 06 माह का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। डा. गुमी का अनुसंधान कार्य अफरीकन चावल में अजैविक दबाव से जुड़े जीनस की एलील माइनिंग पर आधारित है।

प्रकाशित : निदेशक, भाकृअनुप-राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो

पूसा कैम्पस, नई दिल्ली-110 012, भारत

संकलन एवं संपादन : अनुराधा अग्रवाल, कविता गुप्ता, ललित आर्य एवं गया चरण

कम्प्यूटर सहायक: विजय कुमार मंडल